



भारत सरकार  
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय  
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 21 जून, 2026

जारी करने का समय: 1430 घंटे

- विषय: (i) 23 जून, 2026 के आसपास महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड और बिहार के कुछ और हिस्सों और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए हालात अनुकूल हैं।
- (ii) 25 जून तक पूर्वोत्तर भारत में और 22 जून, 2026 तक उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में बहुत भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।
- (iii) अगले 4-5 दिनों तक विदर्भ, पूर्वी मध्य प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश में हीट वेव (लू) से लेकर गंभीर हीट वेव की स्थिति रहने की संभावना है; साथ ही अगले 3 दिनों तक छत्तीसगढ़, अगले 2 दिनों तक तेलंगाना और आज मध्य महाराष्ट्र व मराठवाड़ा में हीट वेव की स्थिति रहने की संभावना है।
- (iv) अगले दो दिनों के दौरान पूर्वी भारत, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में, तथा अगले 24 घंटों के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा और तेलंगाना में मध्यम से गंभीर आंधी-तूफान की गतिविधि होने की संभावना है, जिसमें 40-60 किमी/घंटा की तेज हवाएं (झोंके 70 किमी/घंटा तक) और मध्यम से गंभीर बिजली कड़कने की घटनाएं शामिल हो सकती हैं। इसके अलावा, अगले 24 घंटों के दौरान जम्मू-कश्मीर में कहीं-कहीं ओलावृष्टि और 22 जून, 2026 को राजस्थान में धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

**दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 2026 का आगे बढ़ना (अनुबंध I):**

- मानसून की उत्तरी सीमा 18°N/60°E, 18°N/65°E, 18°N/70°E, हरनाई, सोलापुर, हैदराबाद, भद्राचलम, कोरापुट, फूलबनी, रांची, जमुई, मुजफ्फरपुर और 28.3°N/83°E से होकर गुजर रही है।
- 23 जून, 2026 के आसपास महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड और बिहार के कुछ और हिस्सों और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए स्थितियां अनुकूल हैं।

**आज, 21 जून, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम की स्थिति:**

- मेघालय में कुछ जगहों पर बहुत ज्यादा से लेकर अत्यधिक भारी बारिश दर्ज की गई है।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ जगहों पर अत्यधिक भारी बारिश (20 सेमी और उससे ज्यादा) दर्ज की गई है।

- असम और मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ओडिशा और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- विदर्भ और पूर्वी उत्तर प्रदेश में लू से लेकर भीषण लू जैसी स्थिति बनी रही।
- विदर्भ में कुछ जगहों पर गर्म रात (वार्म नाइट) की स्थिति बनी रही।
- असम और मेघालय, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड, हरियाणा-चंडीगढ़, सौराष्ट्र और कच्छ, पश्चिमी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में कुछ जगहों पर तेज़ हवाओं (50-80 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार) के साथ आंधी-तूफ़ान दर्ज किया गया।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, ओडिशा, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, बिहार, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तथा उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में कुछ जगहों पर तेज़ हवाओं (30-50 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार) के साथ आंधी-तूफ़ान दर्ज किया गया।

#### आज सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों के दौरान तापमान की स्थिति:

- दिन/अधिकतम तापमान (20-06-2026 तक): कल, उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ के ज्यादातर इलाकों में दिन/अधिकतम तापमान 40-43°C के बीच रहा; तेलंगाना, बिहार, गुजरात, हरियाणा, झारखंड और छत्तीसगढ़ में कुछ जगहों पर और देश के बाकी हिस्सों में 40°C से कम रहा। सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 43.2°C बांदा (उत्तर प्रदेश) और ब्रह्मपुरी (महाराष्ट्र) में दर्ज किया गया।
- दिन/अधिकतम तापमान में अंतर (20-06-2026 तक): मध्य प्रदेश से सटे महाराष्ट्र के ज्यादातर हिस्सों, उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक, गोवा, ओडिशा, केरल और माहे, झारखंड, उत्तर प्रदेश और उससे सटे बिहार में यह अंतर 3-6°C के बीच रहा; उत्तर-पश्चिम भारत और उत्तर-पूर्व भारत के कई हिस्सों में यह सामान्य या सामान्य से कम रहा।
- रात का तापमान/न्यूनतम तापमान (20-06-2026 तक): पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में कुछ जगहों पर सामान्य से काफी ज्यादा (> 5.1°C) रहा; असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, झारखंड, बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र और कच्छ में कुछ जगहों पर ऐसा रहा। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, मराठवाड़ा और छत्तीसगढ़ में कुछ जगहों पर सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहा; गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक में कुछ जगहों पर ऐसा रहा। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में कई जगहों पर सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहा; पंजाब, रायलसीमा और केरल और माहे में कुछ जगहों पर; उत्तराखंड, पश्चिमी राजस्थान, तेलंगाना और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कुछ जगहों पर ऐसा रहा। अरुणाचल प्रदेश, तटीय कर्नाटक, दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक और लक्षद्वीप में ज्यादातर जगहों पर सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहा; जम्मू-कश्मीर, लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में अलग-अलग स्थानों पर।

#### मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध II और III):

- ट्रोपोस्फीयर (वायुमंडल की निचली परत) के निचले स्तर पर पंजाब से बिहार तक एक मौसमी ट्रफ़ (हवा का कम दबाव वाला क्षेत्र) बना हुआ है।
- मध्य ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) ट्रफ़ के रूप में, लगभग 72°E देशांतर के साथ 32°N अक्षांश के उत्तर में बना हुआ है।
- निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश और उसके आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवाओं का साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवाती परिसंचरण) बना हुआ है।
- निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपर बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन से तटीय आंध्र प्रदेश तक एक ट्रफ़ फैला हुआ है।
- निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर मध्य असम और उसके आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवाओं का साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है।
- मध्य ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर रायलसीमा और उसके आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवाओं का साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है।
- निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर उत्तरी छत्तीसगढ़ से तेलंगाना तक एक ट्रफ़ फैला हुआ है।
- निचले ट्रोपोस्फेरिक वेस्टर्लीज़ (पश्चिमी हवाओं) में एक ट्रफ़, जिसकी धुरी समुद्र तल से 1.5 किमी ऊपर है, पूर्वी बिहार से तटीय गंगा वाले पश्चिम बंगाल तक फैला हुआ है।

**ऊपर बताई गई प्रणालियों के प्रभाव से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:**

#### **उत्तर-पश्चिम भारत:**

- 21-22 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 23-27 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; और 21-27 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कहीं-कहीं से लेकर कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- 21-24 जून के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में; 21 जून और 26-27 जून को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 21-22 जून और 25-27 जून के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; और 21-27 जून के दौरान पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं से लेकर कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- 21-22 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 21-24 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश में; और 21-23 जून के दौरान उत्तराखंड में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- 21-24 जून के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में; 21 और 23 जून को पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 24-27 जून के दौरान पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।

- 22 जून को पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में आंधी-तूफान (हवा की गति 60-70 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 80 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।
- 21 जून को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है।
- 22 जून को पश्चिमी राजस्थान में धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

#### मध्य भारत:

- 21 से 27 जून के दौरान छत्तीसगढ़, विदर्भ और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 21 से 26 जून के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- 21 से 25 जून के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 22 से 25 जून के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- 21 जून को छत्तीसगढ़ में आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।

#### पूर्वी भारत:

- 21 जून को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 26-27 जून के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में; और 21-27 जून के दौरान बिहार, झारखंड और ओडिशा में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 22-27 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 21-27 जून के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; और 21-25 जून के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में काफी बड़े इलाके में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- 22-27 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 21 जून को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 21-22 जून के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में; 23-27 जून के दौरान झारखंड में; 21 जून, 23 जून और 26-27 जून को बिहार में; और 23-25 जून के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। साथ ही, 21 जून को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 22-27 जून के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 23-27 जून के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में; और 24-25 जून के दौरान बिहार में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- 21 जून और 23-25 जून के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 21-22 जून और 25-27 जून के दौरान बिहार में; और 21-23 जून के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 22 जून और 26-27 जून के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- 21-22 जून के दौरान झारखंड और ओडिशा में, और 22 जून को बिहार में तेज़ हवाओं के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।

#### पूर्वोत्तर भारत:

- 21 से 27 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 21 से 27 जून के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- अरुणाचल प्रदेश में 21 और 25 जून को; असम और मेघालय में 21-22 जून और 26-27 जून के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 21-24 जून के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, अरुणाचल प्रदेश में 22-24 जून और असम व मेघालय में 23-25 जून के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- 21 से 27 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 21 से 27 जून के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- अरुणाचल प्रदेश में 21 और 25 जून को; असम और मेघालय में 21-22 जून और 26-27 जून के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 21-24 जून के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, अरुणाचल प्रदेश में 22-24 जून और असम व मेघालय में 23-25 जून के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

#### पश्चिमी भारत:

- 21-22 जून के दौरान कोंकण और गोवा में; और 21-27 जून के दौरान गुजरात क्षेत्र, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और सौराष्ट्र व कच्छ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 23-27 जून के दौरान कोंकण और गोवा में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 22-25 जून के दौरान कोंकण-गोवा और मराठवाड़ा में; 21-26 जून के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; और 21 जून को गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र व कच्छ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है।
- 22-27 जून के दौरान कोंकण और गोवा में; और 23 जून को मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

#### दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 21-27 जून के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 21 जून और 23-24 जून को उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक और रायलसीमा में; 23 जून को दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में; 21, 23 और 27 जून को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 21 जून को तेलंगाना में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 21-27 जून के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 22 जून और 25-27 जून को उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक और रायलसीमा में; 21-22 जून और 24-27 जून के दौरान दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में; 22 जून

और 24-26 जून को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 22-27 जून के दौरान तेलंगाना में काफी बड़े इलाके में या लगभग सभी जगहों पर बारिश होने की संभावना है।

- 21-22 जून के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 22-25 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और तेलंगाना में कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश, बिजली चमकने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंके 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 21-22 जून के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंके 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; 21 जून को उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक और दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में भी ऐसी स्थिति हो सकती है।

- 21-22 जून के दौरान लक्षद्वीप और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 21-23 जून और 25-27 जून के दौरान केरल और माहे में; 21-24 जून के दौरान तटीय कर्नाटक में; 22-23 जून और 25 जून को उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक और दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में 21-22 जून और 25-26 जून के दौरान; तेलंगाना में 22-27 जून के दौरान।

- 21 जून को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और तेलंगाना में तेज़ हवाओं के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।

#### **लू (हीट वेव), गर्म और उमस भरे मौसम और गर्म रातों की चेतावनी:**

- 21 जून को बिहार, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और ओडिशा के कुछ इलाकों में; 21-23 जून के दौरान छत्तीसगढ़ में; 21-25 जून के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में; 21-24 जून के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 21-22 जून के दौरान तेलंगाना में; 21-25 जून के दौरान विदर्भ में लू चलने की बहुत संभावना है, साथ ही 21-24 जून के दौरान विदर्भ के कुछ इलाकों में भीषण लू की स्थिति भी हो सकती है।

- 22 जून को ओडिशा में; 21 जून को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तटीय कर्नाटक, कोंकण और गोवा और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 21-22 जून के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक में गर्म और उमस भरे मौसम की स्थिति रहने की संभावना है।

- 21-23 जून के दौरान विदर्भ के कुछ इलाकों में गर्म रातों की स्थिति रहने की बहुत संभावना है।

#### **मछुआरनों को सलाह दी जाती है कि वे 21 जून से 26 जून, 2026 के दौरान इन इलाकों में न जाएं:**

बंगाल की खाड़ी:

21 से 26 जून के दौरान कोमोरिन इलाके से सटे मन्नार की खाड़ी में; 22 जून को श्रीलंका के तटों से सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; 25 जून को दक्षिण-पश्चिम से सटे पश्चिम-मध्य और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में।

अरब सागर:

26 जून तक दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम-मध्य अरब सागर से सटे सोमालिया तट के पास; 22 जून को ओमान तटों और उत्तर-पश्चिम अरब सागर के सटे हिस्सों के पास; 24 से 26 जून के दौरान उत्तर-पूर्व अरब सागर से सटे उत्तर गुजरात तटों के पास; 23 से 26 जून के दौरान दक्षिण कोंकण और गोवा तटों के पास; 23 जून तक केरल, लक्षद्वीप और सटे कोमोरिन इलाके के पास।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 21 से 24 जून 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

[https://mausam.imd.gov.in/responsive/all\\_india\\_forecast\\_bulletin.php](https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php)

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

□ **उप हिमालय पश्चिम बंगाल और सिक्किम:** कूच बिहार (जिला कूच बिहार) 22; दीमा टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 18; घुघुमारी (जिला कूच बिहार) 16; बक्साद्वार (जिला अलीपुरद्वार), अम्फु पुंडीबारी (जिला कूच बिहार) 15 प्रत्येक; बरोभिशा (जिला अलीपुरद्वार), जलपाईगुड़ी (जिला जलपाईगुड़ी), अलीपुरद्वार पीटीओ (जिला अलीपुरद्वार) 14 प्रत्येक; मेखलीगंज (जिला कूच बिहार), चेपन (जिला अलीपुरद्वार), माझेरदाबरी चाय बागान (जिला अलीपुरद्वार), तोरसा चाय बागान (जिला अलीपुरद्वार) 13 प्रत्येक; माथाभांगा (जिला कूच बिहार), फालाकाटा (जिला अलीपुरद्वार), कैलाशपुर टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 12 प्रत्येक; दोमोहनी (जिला जलपाईगुड़ी), बीच टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार) 11 प्रत्येक; गैरकाटा टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), आर्यमन टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार), दलगांव टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार), न्यूलैंड्स टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार) 10 प्रत्येक; मयनागुड़ी कॉलेज (जिला जलपाईगुड़ी), मोराघाट टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), सिलीगुड़ी पीटीओ (जिला दार्जिलिंग), धूपगुड़ी (जिला जलपाईगुड़ी), जयबीरपारा टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 9 प्रत्येक; गांद्रापारा टी गार्डन (जिला जलपाईगुड़ी), मोगुलकाटा टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), गोपालपुर टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार), पटकापारा टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 8 प्रत्येक; हासीमारा (जिला अलीपुरद्वार), धराला वैली टी एस्टा (जिला जलपाईगुड़ी), संकोस टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 7 प्रत्येक;

□ **तटीय आंध्र प्रदेश और यानम:** येलमंचिली (जिला अनाकापल्ली) 10;

□ **अरुणाचल प्रदेश:** पासीघाट एयरो (जिला पूर्वी सियांग) 12, नाहरलागुन (जिला पापुमपारा) 6, तूतिंग (जिला ऊपरी सियांग) 6, बसर\_ एडब्ल्यूएस (जिला पश्चिम सियांग) 6, सेप्पा (जिला पूर्वी कामेंग) 6,

□ **असम और मेघालय:** मावसिनराम (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 53, चैरापूंजी (आरकेएम) (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 47, मावकिरवाट (जिला दक्षिण पश्चिम खासी हिल्स) 39, चैरापूंजी (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 33, गोसाईगांव एडब्ल्यूएस (जिला कोकराझार) 17, कोकराझार (जिला कोकराझार) 17, जोवाई (जिला पश्चिम जैंतिया हिल्स) 14, मावफलांग (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 13, चौलधोवाघाट (जिला लखीमपुर) 13, चौलधुवाघाट अर्ग (जिला लखीमपुर) 13, बहालपुर (जिला धुबरी) 12, खलीहरियाट (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 11, धेमाजी (जिला धेमाजी) 11, शेला (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 10, विलियमनगर (जिला ईस्ट गारो हिल्स) 9, जोवाई\_एडब्ल्यूएस (जिला वेस्ट जैंतिया हिल्स) 8, हजुआह (जिला बारपेटा) 8, गोलपारा\_सीडब्ल्यूसी (जिला गोलपारा) 8, एई एनएच जिंग (जिला बोंगाईगांव) 7, बारापानी (जिला री भोई) 7, एन.लखीमपुर/लीलाबारी (जिला लखीमपुर) 7;

□ **पश्चिम मध्य प्रदेश:** उज्जैन-एडब्ल्यूएस (जिला उज्जैन) 8;

□ **तेलंगाना:** मोमिनपेट (जिला विकाराबाद) 7.

तेज़ हवाएँ (>=40 किमी प्रति घंटे में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

□ □ छत्तीसगढ़: सूरजपुर - 52;

- मध्य महाराष्ट्र: मुक्ताईनगर (जलगांव) - 44, दौंडाइचा (धुके) - 44;
- हरियाणा चंडीगढ़: फतेहाबाद 54, पलवल 54, चरखीधारी 48, हिसार 44,
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम (41)
- गांगेय पश्चिम बंगाल: पुरुलिया (59)
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: पुंडीबारी (41)
- ओडिशा: गंजम (41)
- झारखंड: पूर्वी सिंहभूम (63)
- बिहार: सुपौल (50)
- सौराष्ट्र और कच्छ: भचाऊ एएमएफ्यू (कच्छ) (54)
- असम और मेघालय: मानस (52)

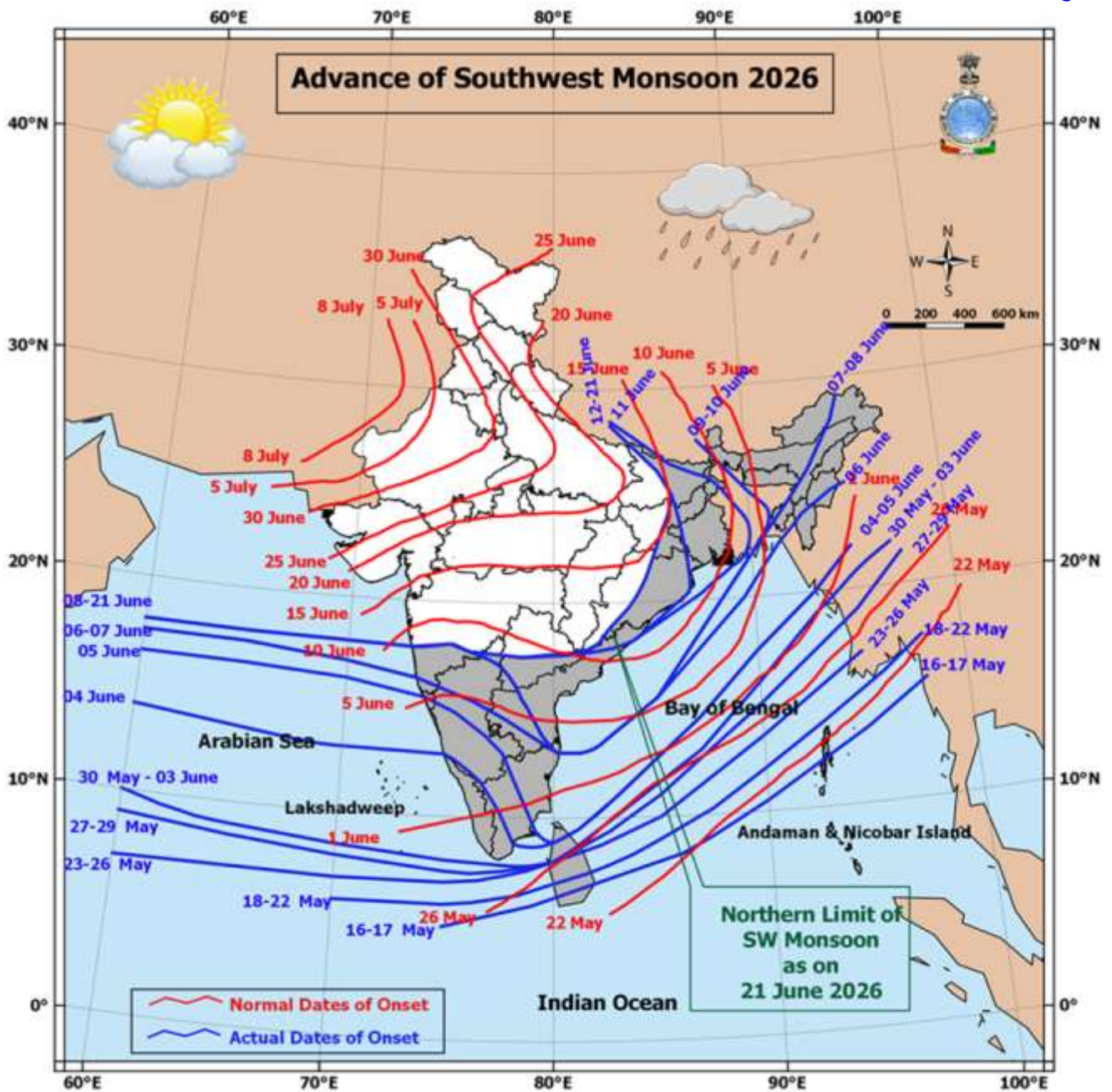
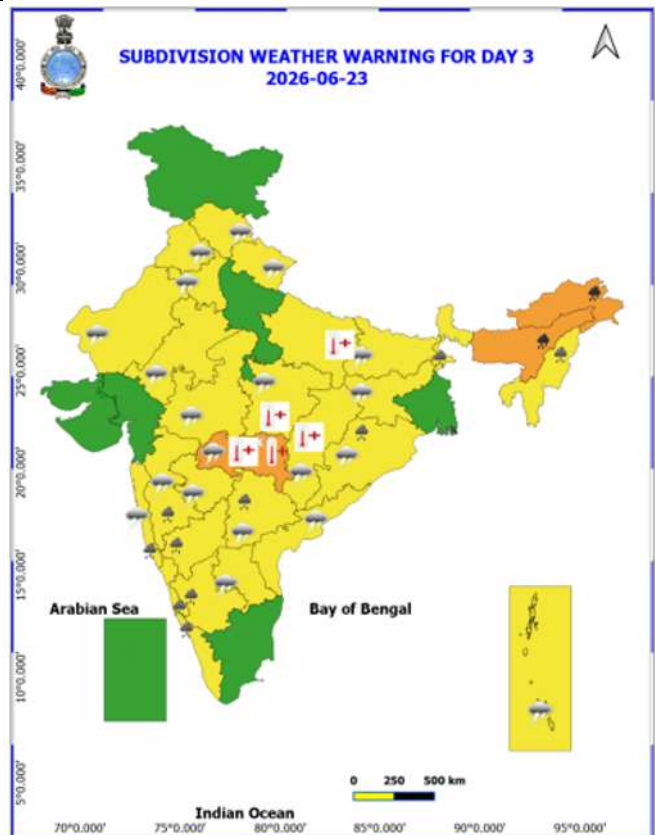
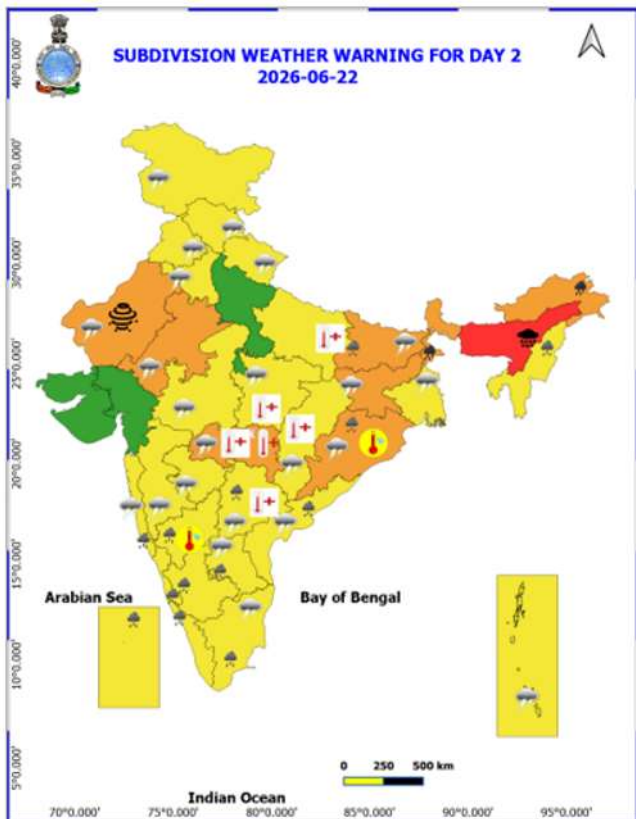
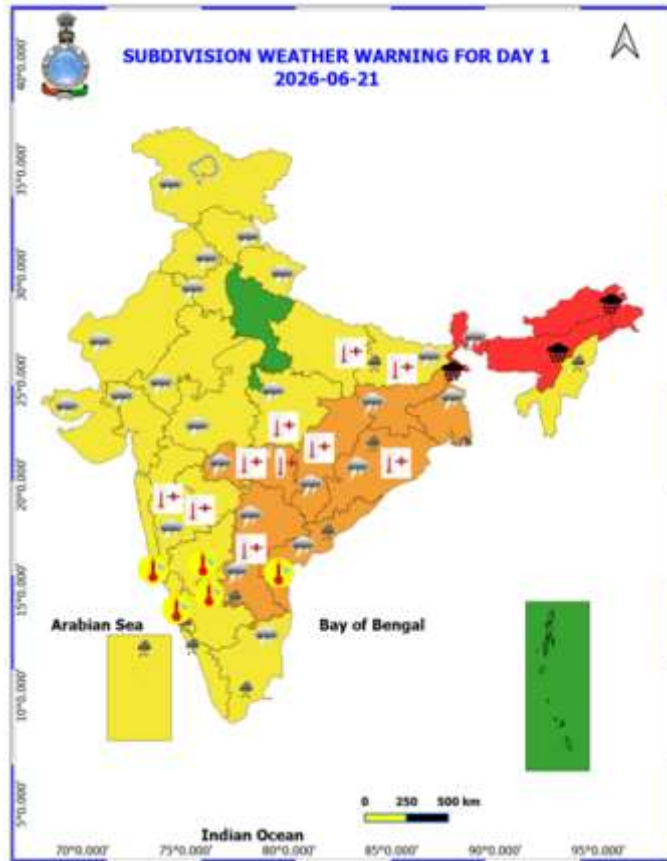
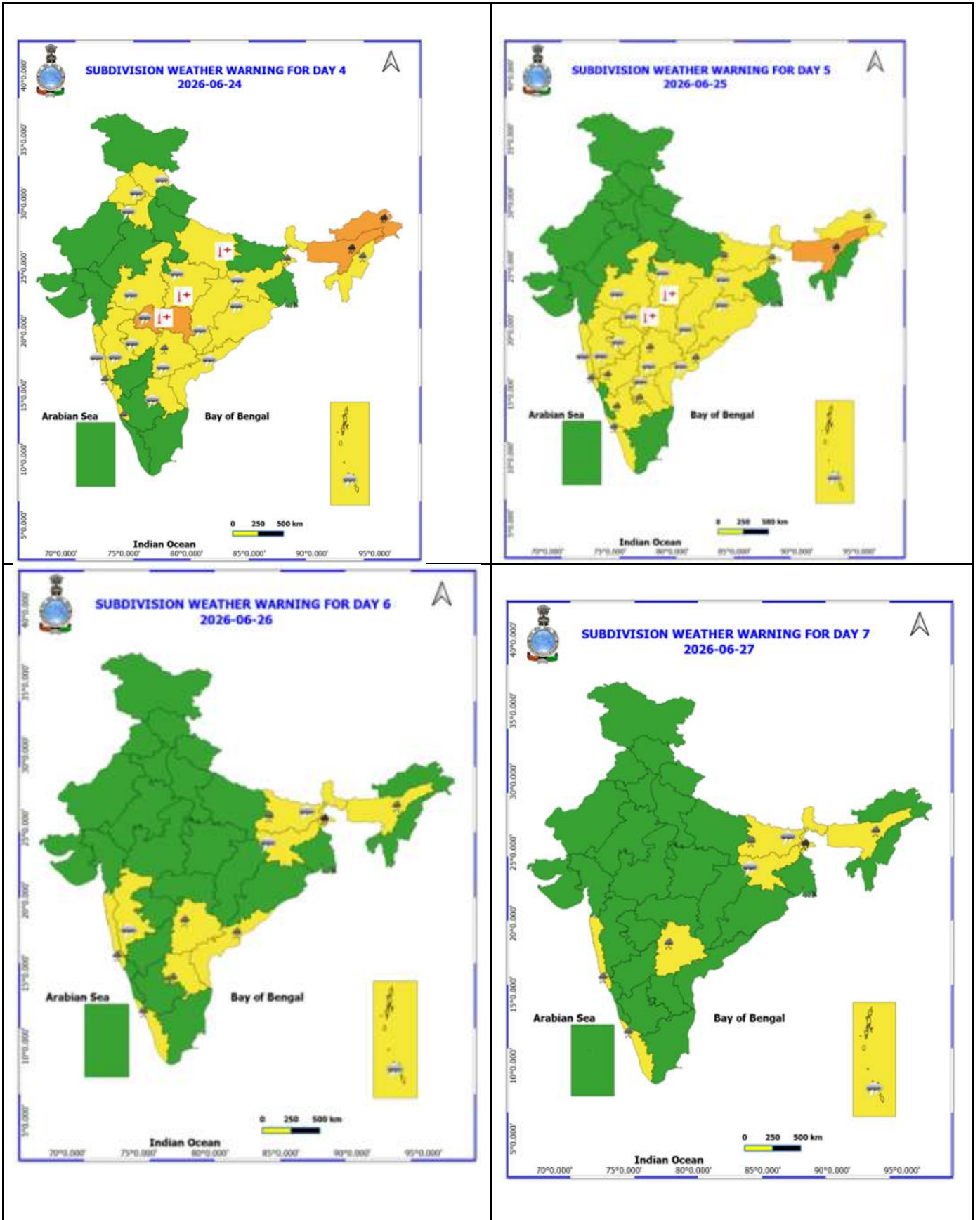


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	21- Jun	22- Jun	23- Jun	24- Jun	25- Jun	26- Jun	27- Jun
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	WS	WS	WS	FWS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
7	ODISHA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
8	JHARKHAND	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
9	BIHAR	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
12	UTTARAKHAND	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
29	TELANGANA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
30	RAYALASEEMA	SCT	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	SCT	FWS	WS	WS	WS
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

## 21 से 24 जून 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

### पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1°C तक की बढ़ोतरी हुई है और न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 40-41°C और न्यूनतम तापमान 26-29°C के बीच दर्ज किया गया। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। दिल्ली में कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और बाकी जगहों पर सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और हवा की गति 20 किमी/घंटा रही, जिसके झोंके 36 किमी/घंटा तक पहुंचे; हवा पश्चिम दिशा से चल रही थी। आज सुबह के समय इस इलाके में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा तक की सतही हवा चलने की संभावना है।

### मौसम का पूर्वानुमान:

21.06.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय बहुत हल्की/हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने/तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा, झोंके 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 35°C से 37°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है और दोपहर के समय हवा की गति 25 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

22.06.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय बहुत हल्की/हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने/तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा, झोंके 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37°C से 39°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान भी सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा हो जाएगी और यह उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 20 किमी/घंटा हो जाएगी और यह पश्चिम दिशा से चलेगी।

23.06.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37°C से 39°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान भी सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 22 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा हो जाएगी और यह पश्चिम दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा हो जाएगी और यह पश्चिम दिशा से चलेगी।

24.06.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 36°C से 38°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान भी सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। ज़मीन के पास हवा मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 22 किमी/घंटा तक हो जाएगी और यह दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 18 किमी/घंटा तक रह जाएगी और यह दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेगी।

### **बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान के कारण संभावित असर और सुझाव:**

धूल उड़ाने वाली ज़मीनी हवाओं के साथ आंधी-तूफान आने और बिजली कड़कने व तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है।

संभावित असर: पेड़ों की टहनियां टूटना और बड़े पेड़ों का उखड़ना, सूखे पेड़ों की टहनियों का गिरना, खड़ी फसलों को नुकसान, टहनियां गिरने से बिजली और संचार लाइनों को कम या ज्यादा नुकसान, तेज़ हवाओं से कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान, ढीली या हल्की चीज़ों का उड़ जाना।

जन-सुरक्षा के लिए सलाह: मौसम की जानकारी और बिगड़ते हालात पर नज़र रखें, घर के अंदर रहें और बेवजह यात्रा न करें, खिड़कियां और दरवाज़े अच्छी तरह बंद करें, सुरक्षित जगहों पर शरण लें और खुली जगहों से बचें, पेड़ों के नीचे शरण न लें, बिजली कड़कने के दौरान कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों के सहारे खड़े हों, बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, जलाशयों से तुरंत बाहर निकल आएं, बिजली के सुचालक (करंट पहुंचाने वाली) चीज़ों से दूर रहें।

नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे सतर्क रहें और जान-माल के नुकसान से बचने के लिए सुरक्षा सावधानियों का पालन करें।

### **बिजली कड़कने, तेज़ हवाओं और ओलावृष्टि के साथ अलग-अलग जगहों पर आंधी-तूफान की संभावना और सुझाव**

□ आज मध्य और पूर्वी भारत में मध्यम से लेकर गंभीर आंधी-तूफान की गतिविधि की संभावना है।

संभावित असर:

□ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं, बड़े पेड़ उखड़ सकते हैं। पेड़ों से बड़ी सूखी टहनियां गिर सकती हैं। खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।

□ केले और पपीते के पेड़ों को थोड़ा या ज्यादा नुकसान हो सकता है।

□ टहनियां टूटने से बिजली और संचार लाइनों को थोड़ा या ज्यादा नुकसान हो सकता है।

□ तेज़ हवा/ओले बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

□ तेज़ हवाओं के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।

□ कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।

□ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।

सुझाव:

□ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए तैयार रहें।

□ घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाज़े बंद रखें और हो सके तो यात्रा न करें।

- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों के सहारे न खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- पानी वाले इलाकों से तुरंत बाहर निकल आएं।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी चीजों से दूर रहें।

### **भारी/बहुत भारी/अत्यधिक बारिश के कारण संभावित असर और सुझाव**

- अगले 4-5 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर और उससे सटे पूर्वी भारत में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- 21 जून को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम व अरुणाचल प्रदेश में, और 21-22 जून के दौरान असम और मेघालय में कुछ जगहों पर बहुत ज्यादा भारी बारिश होने की भी संभावना है।

#### **संभावित असर**

- सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होने की संभावना।
  - भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता कम हो सकती है।
  - सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में यातायात बाधित हो सकता है, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
  - कच्ची सड़कों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।
  - कमजोर ढांचों को नुकसान होने की संभावना।
  - स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी धंसने की घटनाएं हो सकती हैं।
  - पानी भरने के कारण कुछ इलाकों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है। □
- इससे कुछ नदी क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी में बाढ़ की जानकारी के लिए CWC का वेब पेज देखें)।

#### **सुझाए गए उपाय**

- अपनी मंज़िल के लिए निकलने से पहले रास्ते में ट्रैफिक जाम की स्थिति देख लें।
- इस संबंध में जारी ट्रैफिक सलाहों का पालन करें।
- ऐसे इलाकों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जल-जमाव (पानी भरने) की समस्या होती है।
- कमजोर या असुरक्षित इमारतों में रहने से बचें।

### **लू (हीट वेव) की स्थिति के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:**

- 21 से 25 जून के दौरान विदर्भ, पूर्वी मध्य प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में लू (heat wave) से लेकर भीषण लू चलने की बहुत संभावना है।
- 21 से 23 जून के दौरान छत्तीसगढ़; 21-22 जून के दौरान तेलंगाना; और 21 जून को मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के कुछ इलाकों में लू चलने की बहुत संभावना है।

#### **अलर्ट वाले क्षेत्र**

- ज्यादा तापमान और लंबे समय तक धूप में रहने या भारी काम करने वाले लोगों में गर्मी से जुड़ी बीमारी के लक्षण दिखने की ज्यादा संभावना है।
- कमजोर लोगों, जैसे कि शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों की सेहत को लेकर ज्यादा चिंता है।

□ धूप/गर्मी के सीधे संपर्क से बचें - खुद को ठंडा रखें। डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) से बचें।

□ पर्याप्त पानी पिएं - प्यास न लगने पर भी।

□ खुद को हाइड्रेटेड रखने के लिए ORS, घर पर बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

### ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- जम्मू एवं कश्मीर में, फलों के बागानों और सब्जीवर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें। जलभराव से बचाव हेतु खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

### भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- अरुणाचल प्रदेश में, जलजमाव से बचाव हेतु सब्जियों, मक्का, धान की नर्सरी और खड़ी फसलों के खेतों में जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। फसल के नुकसान से बचने के लिए परिपक्व सब्जियों और फलों की कटाई कर लें।
- असम में, धान की नर्सरी, जूट, अदरक, हल्दी, सब्जियों, केले, खट्टे फलों और पपीते के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। भारी बारिश के दौरान साली धान की नर्सरी बुवाई न करें। धान की नर्सरी की क्यारियों को पतली पॉलीथीन शीट से ढक दें। गन्ने की फसल को गिरने से बचाने के लिए उसे यांत्रिक सहारा प्रदान करें।
- मेघालय में, धान की नर्सरी, मक्का, अदरक, लोबिया और सब्जियों के खेतों तथा केले के बागानों से अतिरिक्त जल निकासी के लिए आवश्यक प्रबंध करें। छोटे पौधों को भारी बारिश से सीधे संपर्क में आने से बचाएं। अधिक भार से झुके हुए पौधों को सहारा देने के लिए प्रॉपिंग (बांस या लकड़ी के डंडों) का उपयोग करें।
- नागालैंड में, मुख्य खेत में बैंगन की रोपाई में देरी करें। जिन पौधों की रोपाई पहले ही हो चुकी है, उनके लिए मक्का, सब्जियों और बागों के खेतों में और उनके आसपास पानी की सही निकासी की व्यवस्था बनाए रखें।
- मणिपुर में, भारी बारिश के दौरान धान की रोपाई न करें। सोयाबीन, मिर्च, अदरक, हल्दी, केला और अन्य फसलों के खेतों के साथ-साथ हाल ही में लगाई गई पौध और नर्सरी की फसलों में जलजमाव से बचाव हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- मिज़ोरम में, धान के खेतों के चारों ओर जल निकासी के लिए नालियाँ बनाएँ और बीजों को ढकने के लिए घास की मलच का इस्तेमाल करें। फल देने वाले या आंशिक रूप से झुकने वाले पौधों/पेड़ों को सहारा दें। मक्के के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहारा (प्रॉपिंग) दें।
- त्रिपुरा में, भारी बारिश के दौरान धान और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, में, भारी बारिश के दौरान धान की नर्सरी बुवाई न करें; जो धान की नर्सरी पहले ही बोई जा चुकी है, उसे पुआल की मल्लिचंग, सूखी घास या अस्थायी पॉलीथीन / एग्रो-नेट से ढककर सुरक्षित रखें ताकि बीज बहने, अंकुरण खराब होने और पौधों के नुकसान से बचा जा सके। जूट, अदरक, मिर्च, टमाटर और डल्ले खोरसानी के खेतों तथा खरीफ धान एवं सब्जियों की नर्सरी से अतिरिक्त जल की निकासी करें।

- मध्य महाराष्ट्र में, गर्मियों में होने वाली मूंगफली, फलों और सब्जियों की परिपक्व फसल की कटाई जल्द से जल्द करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। बागों को यांत्रिक सहारा दें और सब्जियों की बेलों/पौधों को सहारा (स्टेकिंग) दें।
- केरल में, केले, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें और सब्जियों के पंजालों को मजबूत करें। भारी बारिश के दौरान धान की रोपाई न करें।
- तमिलनाडु में, धान, बाजरा (कंबू), मूंगफली, गन्ना, केला और सब्जियों में जल जमाव को रोकने के लिए उचित जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें। कटाई की गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- कर्नाटक में, धान की पौधशालाओं में पानी जमा होने से रोकने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- लक्षद्वीप में, खड़ी फसल वाले खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की निकासी का उचित इंतज़ाम करें।
- तेलंगाना में, बारिश के दौरान फलों को गिरने से बचाने और पानी जमा होने से रोकने के लिए बागों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। तोड़े गए फलों को छाया में रखें और बारिश के पानी से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए उन्हें तिरपाल या प्लास्टिक की शीट से ढक दें।
- आंध्र प्रदेश, ओडिशा और बिहार जैसे भारी बारिश की संभावना वाले इलाकों में खड़ी फसलों में सिंचाई न करें और खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें।

#### **उच्च तापमान / ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श**

- बिहार, ओडिशा, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा, विदर्भ, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में, सब्जियों की फसलों और फलों के बागानों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें। मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए फसल के अवशेष, पुआल या पॉलीथीन से मल्लिचिंग करें। फलों के पौधों को उच्च तापमान से बचाने के लिए अस्थायी शेड नेट का उपयोग करें।

#### **तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श**

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

#### **पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन**

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

## किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

**भारी बारिश:** 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

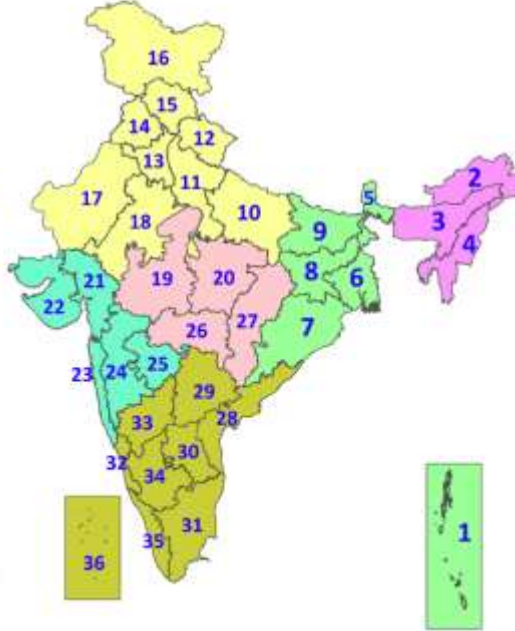
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

## मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

## LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

## SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- |  |  |  |
|--|--|--|
|  Fog                  |  Heavy Snow           |  Cold Wave    |
|  Heavy Rain           |  Dust Storm           |  Cold Day     |
|  Very Heavy Rain      |  Heat Wave            |  Ground Frost |
|  Extremely Heavy Rain |  Warm Night           |  |
|  Thunder & Lightning  |  Hot Day              |  |
|  Hailstorm            |  Hot & Humid          |  |
|  Dust Raising Winds   |  Strong Surface Winds |  |

### COLOUR CODED WARNING

-  No Warning (No Action)
-  Watch (Be Aware)
-  Alert (Be Prepared To Take Action)
-  Warning (Take Action)

### Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

### DEFINITION/CRITERIA

<b>Rain/ Snow *</b>	<p><b>Heavy:</b> 64.5 to 115.5 mm/cm *</p> <p><b>Very Heavy:</b> 115.6 to 204.4 mm/cm *</p> <p><b>Extremely Heavy:</b> &gt; 204.4 mm/cm *</p>
<b>Heat Wave</b>	<p>When maximum temperature of a station reaches <math>\geq 40^{\circ}\text{C}</math> for plains and <math>\geq 30^{\circ}\text{C}</math> for hilly regions</p> <p><b>(a) Based on Departure from normal</b></p> <p><b>Heat Wave:</b> Maximum Temperature Departure from normal <math>4.5^{\circ}\text{C}</math> to <math>6.4^{\circ}\text{C}</math>.</p> <p><b>Severe Heat Wave:</b> Maximum Temperature Departure from normal <math>\geq 6.5^{\circ}\text{C}</math></p> <p><b>(b). Based on Actual maximum temperature</b></p> <p><b>Heat Wave:</b> When actual maximum temperature <math>\geq 45^{\circ}\text{C}</math>.</p> <p><b>Severe Heat Wave:</b> When actual maximum temperature <math>\geq 47^{\circ}\text{C}</math></p> <p><b>(c). Criteria for heat wave for coastal stations</b></p> <p>When maximum temperature departure is <math>&gt; 4.5^{\circ}\text{C}</math> from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature <math>\geq 37^{\circ}\text{C}</math></p>
<b>Warm Night</b>	<p>When maximum temperature remains <math>40^{\circ}\text{C}</math></p> <p><b>Warm Night:</b> When minimum temperature departure <math>4.5^{\circ}\text{C}</math> to <math>6.4^{\circ}\text{C}</math>.</p> <p><b>Severe Warm Night:</b> When minimum temperature departure <math>&gt; 6.4^{\circ}\text{C}</math>.</p>
<b>Cold Wave</b>	<p>When minimum temperature of a station <math>\leq 10^{\circ}\text{C}</math> for plains and <math>\leq 0^{\circ}\text{C}</math> for hilly regions.</p> <p><b>(a). Based on departure</b></p> <p><b>Cold Wave:</b> Minimum Temperature Departure from normal <math>-4.5^{\circ}\text{C}</math> to <math>-6.4^{\circ}\text{C}</math>.</p> <p><b>Severe Cold Wave:</b> Minimum Temperature Departure from normal <math>\leq -6.5^{\circ}\text{C}</math></p> <p><b>(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)</b></p> <p><b>Cold Wave :</b> When Minimum Temperature is <math>\leq 4.0^{\circ}\text{C}</math></p> <p><b>Severe Cold Wave:</b> When Minimum Temperature is <math>\leq 2.0^{\circ}\text{C}</math></p> <p><b>(c) For Coastal Stations</b></p> <p>When Minimum Temperature departure is <math>\leq -4.5^{\circ}\text{C}</math> &amp; actual Minimum Temperature is <math>\leq 15^{\circ}\text{C}</math></p>
<b>Cold Day</b>	<p>When minimum temperature of a station <math>\leq 10^{\circ}\text{C}</math> for plains and <math>\leq 0^{\circ}\text{C}</math> for hilly regions</p> <p><b>Based on departure</b></p> <p><b>Cold Day:</b> Maximum Temperature Departure from normal <math>-4.5^{\circ}\text{C}</math> to <math>-6.4^{\circ}\text{C}</math>.</p> <p><b>Severe Cold Day:</b> Maximum Temperature Departure from normal <math>\leq -6.5^{\circ}\text{C}</math></p>
<b>Fog</b>	<p>Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility <math>&lt; 1\text{km}</math></p> <p><b>Moderate Fog:</b> When the visibility between 500-200 metres</p> <p><b>Dense Fog:</b> when the visibility between 50- 200 metres</p> <p><b>Very Dense Fog:</b> when the visibility <math>&lt; 50</math> metres</p>
<b>Thunderstorm</b>	Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)
<b>Dust/Sand Storm</b>	An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.
<b>Frost</b>	<p><b>Ice deposits on ground</b></p> <p>Air temperature <math>\leq 4^{\circ}\text{C}</math> ( over Plains)</p>
<b>Squall</b>	<p><b>A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.</b></p> <p><b>Moderate:</b> Wind speed 52-61 kmph</p> <p><b>Severe:</b> Wind speed 62-87 kmph</p> <p><b>Very Severe:</b> Wind speed <math>&gt; 87</math> kmph</p>
<b>Sea State</b>	<p><b>Effect of various waves in the sea over specific area</b></p> <p><b>Rough to very rough:</b> Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) &amp; Wave height 2.5-6 metre</p> <p><b>High to very high:</b> Wind speed 63-117 kmph ( 34-63 knots) &amp; Wave height 6-14 metre</p> <p><b>Phenomenal:</b> Wind speed <math>&gt; 117</math> kmph (<math>&gt; 63</math> knots) &amp; Wave height <math>&gt; 14</math> metre</p>
<b>Cyclone</b>	<p><b>Cyclonic Storm:</b> Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)</p> <p><b>Severe Cyclonic Storm:</b> Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)</p> <p><b>Very Severe Cyclonic Storm:</b> Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)</p> <p><b>Extremely Severe Cyclonic Storm:</b> Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)</p> <p><b>Super Cyclone Storm:</b> Wind speed <math>&gt; 220</math> kmph (<math>&gt; 119</math> knots)</p>

\* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".  
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.  
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599  
(Service to the Nation since 1875)